

न्यायालय, श्रीमती बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

187



वाद सं०- 125 / 20.18

धारा-107 द०प्र०सं०

श्रीपाल गौराई

बनाम

खगोप गौराई वगैरह

आदेश की क्रम सं० एवं तारीख	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्यवाही एवं टिप्पणी तारीख सहित
	<p>अभिलेख सं०-एम. 125 / 20.18, में द०प्र०सं० की धारा-107 के तहत धाना प्रगारी, बुण्डू, के अप्राथमिकी सं०- 31/18 दिनांक-26-10-18 के द्वारा प्राप्त पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि पुराना घट के पीछे पुराना शस्त्र को लेकर उभय पक्ष के विवाद है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उभयपक्ष/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 03/12/18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p>	

9-07-19

अभिलेख उपस्थापित । उक्त पत्र उपस्थित । उक्त वाद के 6 (छः) माह की अवधि पूरी हो चुकी है अर्थात् वाद कालबाधित हो गया है अतः वाद में अभिलेख की कारवाही बन्द की जाती है।

29/07/19  
कार्यपालक दण्डाधिकारी  
बुन्दू (रांची)